तर्ज--वो जब याद आये

प्राणनाथ प्यारे, श्री जी हमारे
हमें साथ ले के वतन चलोगे
आस में इन्तजारे वक्त गुजारे

1--हमने जाना धनी खेल है खूबतर
समझे ना भूलेंगे धाम जासी बिसर
माया में आ के धाम दुल्हा ने
कदम कदम पर सदमे उठाये

2--हो दुखी आप भी है परेशान हम
राहें गम पर चलें कब तलक आप हम
लाड हमारे पालने वाले
जागनी रूहों की कर कर हारे

3--क्यों जगाते नही अर्श में अब हमें
क्यों बुलाते नही इश्क दे के हमे
किसकी खातिर खेल रूका है
तड़प तड़प कर आतम पुकारे

Nijanand App